पाठ 20

छिपा रहस्य

(प्रस्तुत पाठ में जानवर की स्वामी भक्ति से सम्बन्धित मार्मिक कहानी वर्णित है।)

कनाडा में मौंट्रियल नाम का बड़ा शहर है। वहाँ कई छोटी-छोटी सड़कें भी हैं। उनमंे से एक है एडवर्ड स्ट्रीट। उस सड़क को पियरे जितनी अच्छी तरह जानता था उतनी अच्छी तरह और कोई भी नहीं जानता था। उसका एक कारण था। पिछले तीस सालों से पियरे उस सड़क पर बसे सभी परिवारों को दूध बाँटता था।

पिछले पन्द्रह सालों से पियरे की दूधगाड़ी को एक बड़ा सफेद घोड़ा खींचता था। घोड़े का नाम जोजफ था। शुरू में जब वह घोड़ा दूध-कम्पनी के पास आया तब उसका कोई नाम नहीं था। कम्पनी ने पियरे को सफेद घोड़े के इस्तेमाल की इजाजत दे दी। पियरे ने प्यार से घोड़े की गर्दन को सहलाया और उसकी आँखों में झाँक कर देखा।

'यह एक समझदार, भला और वफादार घोड़ा है,' पियरे ने कहा। 'मैं इसका नाम सन्त जोजफ के नाम पर रखूँगा, क्योंकि वह एक नेक और दयालु इन्सान थे।'

साल भर के अन्दर ही घोड़े ने सड़क का पूरा रास्ता रट लिया। पियरे अक्सर शेखी बघारता, 'मैं तो लगाम छूता तक नहीं हूँ। मेरे घोड़े को तो लगाम की जरूरत ही नहीं है।'

तड़के सुबह पाँच बजे ही पियरे दूध की कम्पनी में रोजाना पहुँच जाता। तब गाड़ी में दूध लादा जाता और फिर जोजफ उसे खींचता। पियरे अपनी सीट पर बैठते ही जोजफ को पुचकारता और घोड़ा अपना मुँह उसकी ओर घुमा देता। आस-पास खड़े अन्य ड्राइवर कहते, 'सब कुछ ठीक-ठाक है पियरे जाओ।' इसके बाद पियरे और जोजफ इत्मीनान के साथ सड़क पर निकल पड़ते।

पियरे के इशारे के बिना ही गाड़ी अपने आप एडवर्ड स्ट्रीट पहुँच जाती। फिर घोड़ा पहले घर पर रुकता और पियरे को नीचे उतार कर दरवाजे के सामने एक बोतल दूध रखने के लिए करीब तीस सेकेंड की मोहलत देता। घोड़ा फिर दूसरे घर पर रुकता।

इस तरह पियरे और घोड़ा पूरी एडवर्ड स्ट्रीट की लम्बाई पार करते। फिर गाड़ी को घुमाकर दोनों वापस आते। सचमुच जोजफ बहुत होशियार घोड़ा था।

अस्तबल में पियरे, जोजफ की तारीफ करते न थकता। 'मैं कभी उसकी लगाम छूता तक नहीं हूँ। कहाँ-कहाँ रुकना है यह उसे अच्छी तरह मालूम है। अगर जोजफ घोड़ागाड़ी खींच रहा है, तो मेरी जगह अगर कोई अन्धा आदमी भी हो, तो काम चल जायेगा।'

बरसों तक यही सिलसिला चलता रहा। पियरे और जोजफ धीरे-धीरे बूढ़े होने लगे। पियरे की मूँछे अब पक कर सफेद हो गयीं थीं। जोजफ भी अब अपने घुटनों को उतना ऊँचा

नहीं उठा पाता था। अस्तबल के सुपरवाइजर जैक को उनके बुढ़ापे का पता तब चला जब एक दिन पियरे लाठी के सहारे चलता हुआ आया।

'क्या बात है पियरे,' जैक ने हँस कर पूछा। 'क्या तुम्हारी टाँगों में दर्द है?' 'हाँ जैक,' पियरे ने जवाब दिया। 'मैं अब बूढ़ा हो रहा हूँ और पैर भी दर्द करने लग गये हैं।'

'बस! तुम अपने घोड़े को दरवाजे पर दूध की बोतलें रखना सिखा दो,' जैक ने कहा। 'बाकी सारा काम तो वह करता ही है।'

एडवर्ड स्ट्रीट पर बसे सभी चालीस परिवारों को पियरे अच्छी तरह जानता था। घर के नौकरों को मालूम था कि पियरे लिख-पढ़ नहीं सकता, इसलिए वह उसके लिए कोई चिट्ठी नहीं छोड़ते थे। अगर कभी दूध की और बोतलों की जरूरत होती, तो वे घोड़ागाड़ी की आवाज सुनकर दूर से ही चिल्लाते, 'पियरे, आज एक और बोतल देना।'

पियरे की याददाश्त बहुत अच्छी थी। वापस अस्तबल पहुँच कर बिना गलती किये वह जैक को दूध का सारा हिसाब बता देता। जैक अपनी डायरी में तुरन्त हिसाब नोट कर लेता था।

एक दिन दूध कम्पनी का मैनेजर सुबह-सुबह अस्तबल का मुआयना करने पहुँचा। जैक ने पियरे की ओर इशारा करते हुए मैनेजर से कहा, 'जरा देखिए तो! पियरे किस तरह अपने घोड़े से बात करता है और घोड़ा भी कितने प्यार से अपना मुँह घुमा कर पियरे की बात सुनता है। पियरे और घोड़े में बड़ी गहरी दोस्ती है। इस रहस्य को बस यही दोनों जानते हैं।'

कभी-कभी तो ऐसा लगता है जैसे दोनों हम पर हँस रहे हों। पियरे भला आदमी है, पर बेचारा अब बूढ़ा हो रहा है। क्या मैं आपसे अर्ज करूँ कि अब आप उसे रिटायर कर दें

और उसकी पेंशन बाँध दें? उसने उत्सुकता से पूछा।

'बात तो तुम्हारी ठीक है,' मैनेजर ने कहा। 'पियरे अपना काम तीस साल से कर रहा है और कभी कहीं से कोई शिकायत नहीं आयी है। उससे कहो कि अब वह घर पर बैठकर आराम करे। उसे हर महीने पूरी तनख्वाह मिलती रहा करेगी।'

परन्तु पियरे ने रिटायर होने से इनकार कर दिया। उसे इस बात से गहरा धक्का लगा कि वह अपने प्यारे घोड़े जोजफ से रोज नहीं मिल पायेगा। 'हम दोनों ही अब बूढ़े हो रहे हैं,' उसने जैक से कहा। 'हम दोनों अगर इकट्ठे ही रिटायर हों तो अच्छा होगा। मैं आपसे यह वादा करता हूँ कि जब मेरा घोड़ा रिटायर होगा तब मैं भी काम छोड़ दूँगा।'

जैक एक भला आदमी था। वह पियरे की बात समझ गया। पियरे और जोजफ के बीच रिश्ता ही कुछ ऐसा था जिसे देख दुनिया मुस्कराने लगे। ऐसा लगता था मानो दोनों एक दूसरे का सहारा हों। जब पियरे गाड़ी की सीट पर बैठा हो, जोजफ गाड़ी खींच रहा हो, तब दोनों में से कोई भी बूढ़ा नहीं लगता था। लेकिन काम खत्म होने के बाद पियरे लँगड़ाते हुए सड़क पर इस तरह धीरे-धीरे चलता, जैसे वह बहुत बूढ़ा आदमी हो। उधर घोड़े का भी मुँह लटक जाता। वह हारा-थका सा अस्तबल वापस जाता।

सुबह-सुबह एक दिन जब पियरे आया तो जैक ने उसे एक बेहद बुरी खबर सुनायी। 'पियरे, आज सुबह जोजफ सोकर ही नहीं उठा। वह बहुत बूढ़ा हो गया था। 25 साल की उम्र में घोड़े की वैसी ही हालत हो जाती है जैसी 75 साल के बूढ़े आदमी की होती है।'

'हाँ,' पियरे ने धीरे से कहा। 'अब जोजफ को कभी नहीं देख पाऊँगा।'

'नहीं, तुम उसे देख सकते हो,' जैक ने दिलासा देते हुए कहा 'वह अभी अस्तबल में है और उसके चेहरे पर बड़ी शान्ति है। तुम जाकर उसे देख तो लो।'

पियरे घर लौटने के लिए वापस मुड़ा, 'तुम समझोगे नहीं, जैक।' जैक ने उसका कन्धा थपथपाया, 'फिक्र न करो। हम तुम्हारे लिए जोजफ जैसा ही एक और घोड़ा ढूँढ़ देंगे और महीने भर में तुम जोजफ की तरह उसे भी पूरा रास्ता सिखा देना ... है न ... ।'

पियरे बरसों से एक मोटी टोपी पहनता था। टोपी के हुड से उसकी आँखें लगभग ढँक जाती थीं। उसे उन आँखों में एक निर्जीव भाव दिखायी दिया। पियरे की आँखों से उसके दिल का दर्द झलक रहा था। ऐसा लगता था जैसे उसका दिल रो रहा हो।

'आज छुट्टी ले लो पियरे,' जैक ने कहा। परन्तु पियरे उससे पहले ही घर वापस चल पड़ा था। अगर कोई उसके पास होता तो वह अवश्य पियरे की आँखों से लुढ़कते आँसू देखता और उसका सुबकना सुनता। पियरे एक कोना पार कर सीधा सड़क पर आ गया। उधर तेजी से आते ट्रक के ड्राइवर ने जोर से हार्न बजाया और दबा कर ब्रेक लगाया, लेकिन पियरे को कुछ सुनायी नहीं दिया।

पाँच मिनट बाद एम्बुलेंस आयी। उसके ड्राइवर ने कहा, 'यह आदमी मर चुका है।'

तब तक जैक और दूध-कम्पनी के कई लोग वहाँ आ पहुँचे और पियरे के मृत शरीर को देखने लगे।

ट्रक ड्राइवर ने गुस्से में कहा, 'यह आदमी खुद-ब-खुद ट्रक के सामने आ गया। शायद ट्रक दिखा ही नहीं। वह ट्रक के सामने इस तरह आया जैसे उसे कुछ दिखायी ही नहीं दे रहा हो- जैसे वह एकदम दृष्टिहीन हो।'

एम्बुलेंस का डॉक्टर अब लाश की ओर झुका, दृष्टिहीन वह आदमी तो सचमुच दृष्टिहीन था।

जरा उसकी आँखों का मोतियाबिन्द तो देखो? यह कम से कम पाँच साल से दृष्टिहीन होगा।' फिर क्वेन्टीन रेनाल्ड का जन्म 11 अप्रैल 1902 में न्यूयार्क नगर (संयुक्त राज्य अमेरिका) में हुआ था। यह एक लेखक और पत्रकार के रूप में ख्याति प्राप्त थे। इनका देहावसान 17 मार्च 1965 को हुआ था।

उसने जैक की तरफ मुड़ कर कहा, 'तुम कहते हो कि यह आदमी तुम्हारे लिए काम करता था? तुम्हें नहीं मालूम कि वह दृष्टिहीन था?'

'नहीं...नहीं,' जैक ने हल्के से कहा। 'यह रहस्य हम में से किसी को नहीं पता था। सिर्फ उसके दोस्त जोजफ को पता था...। यह उन दोनों के बीच की आपसी बात थी। सिर्फ .... उन दोनों के बीच की।'

- क्वेन्टीन रेनाल्ड

क्वेन्टीन रेनाल्ड का जन्म 11 अप्रैल 1902 में न्यूयार्क नगर (संयुक्त राज्य अमेरिका) में हुआ था। यह एक लेखक और पत्रकार के रूप में ख्याति प्राप्त थे। इनका देहावसान 17 मार्च 1965 को हुआ था।

शब्दार्थ

वादा = वचन, प्रतिज्ञा। **वफादार** = स्वामिभक्त, मित्रता का निर्वाह करने वाला। **शेखी बघारना** = बढ़-चढ़ कर बातें करना। **इत्मीनान** = भरोसा, विश्वास। **मोहलत** = समय देना, फुरसत । **याददाश्त** = स्मरणशक्ति। **मुआयना** = अवलोकन, निरीक्षण, जाँच-पड़ताल। **अर्ज करना** = निवेदन, प्रार्थना। **दिलासा** = आश्वासन, सान्त्वना, धीरज। **दृष्टिहीन** = जिसकी आँखों की रोशनी चली गयी हो।

प्रश्न-अभ्यास

कुछ करने को

1. अब अपने साथियों के साथ इस पर अभिनय कीजिए।

2. निम्नलिखित कहानी को पूरा कीजिए-

एक चिड़िया के दो बच्चे थे। दोनों बच्चे अभी मात्र दो दिन के थे और बहुत ही भूखे थे। बाहर घनघोर बारिश हो रही थी और तेज आँधी चल रही थी। ठंड के मारे बुरा हाल था।
.....

3. स्वामिभक्त जानवरों में महाराणा प्रताप के घोड़े 'चेतक' का नाम प्रसिद्ध है। चेतक और उसकी स्वामिभक्ति के बारे में शिक्षक से जानकारी प्राप्त कीजिए।

विचार और कल्पना

1. यदि आपको कहीं घायल व्यक्ति मिले तो उसकी सहायता किस प्रकार करेंगे ?

2. हमारी आँखे ईश्वरीय वरदान है। संसार में बहुत से ऐसे लोग हैं जो जन्मान्ध हंै अथवा बाद में दृष्टिहीन हो गये। ऐसे लोग बाहर की चीजों को देख नही सकते किन्तु दैनिक जीवन में अपना काम स्वयं पूरा कर लेते हैं। आप अपनी आँखांे को कुछ देर तक बन्द करके कल्पना कीजिए कि उन्हें दैनिक जीवन में कौन-कौन सी परेशानियों का सामना करना पड़ता होगा ?

कहानी से

नीचे दिए गये प्रश्नों में सही विकल्प चुनकर सही (झ्) का निशान लगाइए-

1. पियरे जिस छोटी सड़क पर दूध बाँटता था, उसका नाम था -

(क) मौंट्रियल स्ट्रीट (ख) जैक स्ट्रीट

(ग) कनाडा स्ट्रीट (घ) एडवर्ड स्ट्रीट

2. जैक को पियरे के बुढ़ापे का पता तब चला जब एक दिन पियरे-

(क) लंगड़ाता हुआ आया।

(ख) धीरे-धीरे आया।

(ग) एक आदमी का सहारा लेकर आया।

(घ) लाठी के सहारे चलता हुआ आया।

3. पियरे ने रिटायर होने से इनकार कर दिया, क्योंकि-

(क) रिटायर होने की बात सुनकर उसे धक्का लगा था।

(ख) वह अपने प्यारे घोड़े जोजफ से रोज नहीं मिल सकता था।

(ग) वह अभी बूढ़ा नहीं हुआ था।

(घ) उसे दूध बाँटने का काम अच्छा लगता था।

4. पियरे अपने घोड़े का नाम सन्त जोजफ के नाम पर क्यों रखना चाहता था ?

5. पियरे और जोजफ के बीच वह कौन-सी बात थी जिसका रहस्य किसी को पता नहीं था।

6. पाठ के आधार पर बताइए कि 'समूह 2' का कौन-सा शब्द 'समूह 1' के शब्द से सम्बंधित है। उन शब्दों को चुनकर समूह 1 के सामने लिखिए -

समूह- 1	समूह- 2
सुपरवाइजर	डॉक्टर

पियरे	घोड़ा
25 साल	जैक
आँख	टोपी
घोड़ा	अस्तबल
एम्बुलेंस	मोतियाबिन्द

7. कहानी का कौन सा अंश आपको सबसे अच्छा लगा और क्यों ?

8. कहानी के किस पात्र ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ? क्यों ?

भाषा की बात

1. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए-

अतिथी, तनखाह, मूँह, दुसरे, कमपनी, सुपरवाईजर, नोकरों,

2. समान अर्थ देने वाले शब्द समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं, उदाहरणार्थ- नीरज, पंकज, पद्म। इन तीनों शब्दों का एक ही अर्थ है- कमल। ये शब्द 'कमल' के पर्यायवाची शब्द हैं।

नीचे लिखे शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

दूध, दुनिया, आँख, घोड़ा।

3. जिन शब्दों के अर्थ एक दूसरे के विपरीत होते हैं, उन्हंे विपरीतार्थी अथवा विलोम शब्द कहते हैं, जैसे - अन्धकार का विपरीतार्थी शब्द है 'प्रकाश'।

नीचे लिखे वर्ग-क तथा वर्ग-ख के शब्दों में से एक-एक शब्द लेकर साथ-साथ प्रयोग में आने वाले विपरीतार्थी शब्दों के जोड़े बनाइए।

वर्ग-क	वर्ग-ख
हर्ष	निरर्थक
जय	विषाद
जड़	अवनति
सार्थक	पराजय
उन्नति	चेतन

4. निम्नलिखित शब्द-युग्मों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

छोटी-छोटी, जीव-जन्तु, आस-पास, कुछ न कुछ।

5. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए-

(क) जिसे दिखायी न देता हो। (ख) रोगियों को ले जाने वाली गाड़ी।

(ग) जहाँ घोड़े रखे जाते हैं। (घ) जिसकी कोई हद न हो।

6. (क) इन शब्दों का अर्थ शब्दकोश से ढूँढ़कर लिखिए-

ख्याति, देहावसान, एम्बुलेंस, दिलासा, तनख्वाह

(ख) अब इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

इसे भी जानें

विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली चीनी भाषा के बाद क्रमशः स्पेनिश, इंग्लिश, अरेबिक और खड़ी भाषा हिन्दी है।